"हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों का कक्षा आठवीं स्तर पर लेखन त्रुटियों का अध्ययन"

D-152

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय,
भोपाल

की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा
की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

2001–2002

निर्देशक
प्रो. आई.के. बंसल
शिक्षा विभागाध्यक्ष

शोधकर्त्ता
विजुकांत पाटील
एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा) छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि विजुकान्त पाटील ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल से ''हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों का कक्षा आठवीं स्तर पर लेखन त्रुटियों का अध्ययन'' नामक लघुशोध प्रबन्ध मेरे निर्देशन में विधिवत् पूर्ण किया है । यह शोध कार्य इनकी ईमानदारी, निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है ।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2001–02 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि ''एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा)'' परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है ।

भोपाल

दिनांक : 17.4.2002

प्रो. आई.के. बंसल
शिक्षा विभागाध्यक्ष
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध पूर्ण करने का श्रेय मेरे इस कार्य के निर्देशक प्रो. आई.के. बंसल, शिक्षा विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है । आपने मुझे निरंतर प्रोत्साहित किया साथ ही उपर्युक्त निर्देशन देकर आपका अमूल्य समय एवं सहयोग प्रदान किया । आपके द्वारा आत्मीयता एवं पूर्ण सहयोग जो मुझे प्राप्त हुआ वह मुझे सदैव अविस्मरणीय रहेगा ।

मैं संस्थान के परम आदरणीय प्राचार्य प्रो. एस.के. शफी, एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) प्रभारी डॉ. एन.डी. जैन (रिडर) एवं शिक्षा विभाग के समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे लघुशोध प्रबन्ध पूर्ण करने में धैर्य का साहस प्रदान किया और जिनके द्वारा मैंने यह ज्ञान अर्जित किया ।

मैं संस्थान के पुस्तकालय अध्यक्ष– श्री पी.के. त्रिपाठी तथा उनके सभी कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस शोधकार्य को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया । मेरे शुभचिन्तक श्री जयप्रकाश शर्मा, श्रीमती अन्जु शर्मा तथा समस्त एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के सहपाठियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने मुझे इस लघुशोध प्रबन्ध पूर्ण करने का निःस्वार्थ सहयोग दिया ।

मैं मध्यप्रदेश राज्य के सीहोर तहसील से चयनित शासकीय अभ्यास माध्यमिक विद्यालय, पचामा ग्राम का शासकीय माध्यमिक विद्यालय तथा महाराष्ट्र राज्य के अमलनेर तहसील से चयनित प्रताप हाइस्कूल अमलनेर, विनायक झिपरू पाटील हाइस्कूल, ग्राम–शिरूड, तह. अमलनेर, जिला–जलगाँव के सभी प्रधानाध्यपकों तथा उन विद्यार्थियों का जिनको न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया का हृदय से आभारी हूँ ।

अंत में मेरे पूज्यनीय माता–पिता एवं परिवार के समस्त सदस्यगणों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मेरे लघुशोध प्रबन्ध को पूर्ण कराने में अनगिनत सहयोग प्रदान किया ।

वि.कां.पाटील.

विजुकान्त पाटील
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

	विषय वस्तु		पृष्ठ संख्या
अध्याय–1	प्रस्तावना		1–30
	भूमिका		1
	1.1	समस्या कथन	2
	1.2	अध्ययन की आवश्यकता	2
	1.3	अध्ययन के उद्देश्य	3
	1.4	मातृभाषा के रूप में हिन्दी का महत्व	3
	1.5	द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का महत्व	5
	1.6	हिन्दी में वर्तनी–सम्बन्धी अशुद्धियाँ	6
	1.7	अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों की समस्याएँ	10
	1.8	हिन्दी में वर्तनी सम्बन्धी सजगता	14
	1.9	सावधानी से सिखाएँ हिन्दी	17
	1.10	प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण	20
	1.11	प्रारंभिक स्तर पर शुद्ध हिन्दी भाषा लेखन	23
	1.12	भाषा शिक्षण में हिन्दी की समस्याएँ : एक सर्वेक्षण	27
अध्याय–2	सम्बन्धित शोध साहित्य का पुर्नरावलोकन		31–48
	भूमिका		31
	2.1	सम्बन्धित साहित्य के अवलोकन का महत्व	32
	2.2	भारत में किये गये शोधकार्य	32
	2.3	एम.एड. स्तर पर हुए शोधकार्य	35
अध्याय–3	प्रयोग अभिकल्पना		37–49
	परिचय		37
	3.1	शोध प्रविधि	37
	3.2	चर	37
	3.3	उपकरण	38
			39

3.5 न्यादर्श का चयन 40
3.6 परिसीमन 42
3.7 प्रयोग विधि 42
3.8 लेखन त्रुटियों का परीक्षण 47
3.9 सांख्यिकीय विधि 47

अध्याय–4 विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम कथन 49–61

अध्याय –5 सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव 62–65

परिशिष्ट – लेखन त्रुटियों का परीक्षण अनुच्छेद
संदर्भ ग्रंथ सूची

तालिका अनुक्रमणिका

क्रमांक	तालिका का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी भाषी विद्यार्थियों की त्रुटियाँ	50
2.	हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना	51
3.	अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों की त्रुटियाँ	52
4.	अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना	53
5.	हिन्दी तथ अहिन्दी शहरी विद्यार्थियों की त्रुटियाँ	54
6.	हिन्दी तथा अहिन्दी शहरी विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना	55
7.	हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थियों की त्रुटियाँ	56
8.	हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना	57
9.	हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों की त्रुटियाँ	58
10.	हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना	59
11.	हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों की त्रुटियाँ	60
12.	हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्राओं के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना	61